पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

दूरभाष : 0771–2262802 (अकादमिक),0771–2262540 (कुलसचिव),फैक्स–0771–2262818, 2262607, ई–मेलः *academicprsu2@gmail.com*

क्रमांक 587/अका./पाठ्यक्रम/2023 रायपुर, दिनांक:04/08/2023

//अधिसूचना//

अवर सचिव, उच्च शिक्षा विभाग के पत्र क्रमांक 4183/237/आउशि/समन्वय/2023 दिनांक 23.08.2023 के अनुक्रम में सूचित करना है कि शिक्षा सत्र 2023–24 (परीक्षा–2024) के केन्द्रीय अध्ययन मंडल द्वारा निर्मित स्नातक स्तर प्राच्य संस्कृत क्लासिक्स शास्त्री परीक्षा त्रिवर्षीय वार्षिक प्राणली के प्रथम वर्षम् के पाठ्यक्रम शिक्षा सत्र 2023–24 (परीक्षा–2024) हेतु प्रभावशील किया जाता है।

प्राचार्य संबंधित महाविद्यालय को निर्देशित किया जाता है कि संलग्न पाठ्यक्रमानुसार अध्ययन–अध्यापन हेतु संबंधित शिक्षकों/कर्मचारियों एवं छात्र–छात्राओं को अवगत करावें।

संलग्न :– पाठ्यक्रम की प्रति।

आदेशानुसार,

उप कुलसचिव (अका.)

पृ. क्रमांक 588/अका./पाठ्यक्रम/2023 रायपुर, दिनांक04/08/2023

प्रतिलिपि :–

1. अवर सचिव, उच्च शिक्षा विभाग के पत्र क्रमांक 4183/237/आउशि/समन्वय/2023 दिनांक 23.08.2023 के अनुक्रम में सादर सूचनार्थ।
2. प्राचार्य, संबद्ध समस्त महाविद्यालयों को इस निर्देश के साथ अग्रेषित कि इस अधिसूचना से समस्त शिक्षकों एवं छात्रों को अवगत करावें।
3. उप–कलसचिव परीक्षा/सहायक कुलसचिव, गोपनीय विभाग
4. डॉ. बहुरन सिंह पटेल, अध्यक्ष–अध्ययन मंडल एवं सहायक प्राध्यापक, शासकीय डी.एस.व्ही. संस्कृत महाविद्यालय, रायपुर
5. कुलपति जी के सचिव/कुलसचिव के निज सहायक, पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर को सूचनार्थ।

कक्ष अधिकारी (अका.)

प्रस्तावित पाठ्यक्रमः

प्राच्य संस्कृत

शास्त्री प्रथमवर्षम्

त्रिवर्षीय पाठ्यक्रमः

शास्त्री (प्राच्य संस्कृत) त्रिवर्षीयपाठ्यक्रमः

1. अत्र परीक्षायाः चत्वारो विषयाः अष्ट प्रश्नपत्राणि तथा शासन नियमानुसारेण वर्षत्रयेषु मध्ये पर्यावरणस्य एक प्रश्नपत्रं अनिवार्यं भविष्यन्ति।
2. द्वौ विषयौ अनिवार्यौ भविष्यतः अपरौ वैकल्पिकौ भविष्यतः।
3. द्वितीये अनिवार्ये विषये अनिवार्य संस्कृतकाव्यस्य भविष्यति।
4. प्रथम वैकल्पिकेषु(कवर्गे) वेद–व्याकरण–साहित्य–ज्योतिष–धर्मशास्त्र पौरोहित्य–पुराणेतिहासविषयेषु एक एव ग्राह्यः तस्यत्रीणि प्रश्नपत्राणि भविष्यन्ति।
5. द्वितीयवैकल्पिकेषु (खवर्गेहिन्दीसाहित्यइतिहास भूगोलराजनीतिविज्ञान अर्थशास्त्रसमाजशास्त्र–गृहविज्ञान–(महिलानांकृते)भाषाविज्ञान–विज्ञान–रसा यनविज्ञान–जीवविज्ञान–भौतिक विज्ञान– संगीत–शिक्षाविषयेषु एक एव ग्राह्यःतत्र द्वे प्रश्नपत्रे भविष्यतः।
6. पर्यावरणस्यापि एवं प्रश्नपत्रं भविष्यति।
7. नूतनशिक्षानीत्यानुरुपं पाठ्यक्रमः संशोध्यते

कार्यकमपरिणामाः

(1) भारतीय ज्ञानपरम्परायाः ज्ञानं भविष्यति। (2) भारतीय वाङ्मयस्य ज्ञानं भविष्यति।(3) अनुसन्धानाय छात्राः समर्था भविष्यन्ति।(4) प्राच्यार्वाचीनानां विषयानां अध्ययनेन छात्राः स्वकीयदृष्टिनिर्मातुं दक्षाः भविष्यन्ति।

कार्यकमविशिष्टपरिणामाः

(1) छात्रेषु शोधप्रवृत्तिजागरणम्।

(2) छात्रेषु विश्लेषणात्मक–विवेचतात्मक–विमर्ष–तर्क–रचनात्मकप्रभृतिनां गुणानां अभिवर्धनम्।

(3) नेट–सेट– पीएससी. इत्यादिभ्यः प्रतियोगिता परीक्षाभ्यः छात्राः अर्हा भविष्यन्ति।

(4) नैतिकशिक्षा–संस्कारशिक्षा–गुरुकुलीयशिक्षा माध्यमेन आदर्शनागरिक शिक्षायाः बोधः।

(5) आधुनिकसूचनातकनीक माध्यमेन भारतीयसंस्कृतेः प्रचारप्रसारश्च।

प्राच्य संस्कृतम्

शास्त्री प्रथमवर्ष

आधार पाठ्यक्रमः

प्रथम प्रश्नपत्र अंकाः 75

1. हिन्दी भाषा

(विश्वविद्यालये निर्धारितं पाठ्यक्रमानुसारम् हिन्दीभाषायाः पाठ्यक्रमः भविष्यति)

संस्कृत भाषा/आंग्लभाषा

द्वितीय प्रश्नपत्र पूर्णांकाः 75

पाठ्यकमपरिणामाः

(1) सरलसंस्कृतसम्भाषणस्य दक्षता अधिग्रहणम्।

(2) भारतीय संस्कृतेः ज्ञानम्।

(3) दर्शनपवृत्तिज्ञानमं।

1 तर्कभाषा अंकाः 35

2 भारतीय संस्कृतिः अंकाः 20

3 प्रारंभिकरचनानुवाद कौमुदी 1–10 (पर्यन्तम्) अंकाः 20

अनिवार्य संस्कृतकाव्यम्

तृतीयं प्रश्नपत्रम् पूणाक 100

पाठ्यक्रमपरिणामाः

(1) नाटकविधायाः ज्ञानम् ।(2) छन्दज्ञानम् ।

(1) अभिज्ञानशाकुन्तलम् कालिदासप्रणीतम् (सम्पूर्णम्)

(अ) व्याख्यात्मकं भागः अंकाः 30

(ब) आलोचनात्मकं भागः अंकाः 20

(अंककथासार–चरित्रचित्रण–काव्यवैश्ष्ट्यञ्च)

2 मेघदूतम्– कालिदासविरचितम् (पूर्वमेघः)

(अ) व्याख्यात्मकं भागः अंकाः 30

(ब) आलोचनात्मकं भागः अंकाः 20

(कविपरिचयः खण्डकाव्यमहत्त्वञ्च)

वैकल्पिकं "क" वर्ग

(1) नव्य व्याकरणम् अंकाः100

चतुर्थ प्रश्नपत्रम्

पाठ्यक्रमपरिणामाः

(1) उदात्तादि ज्ञानम् ।

(2) स्वरप्रक्रियाज्ञानेन मंत्रपाठेषु हस्तचालनज्ञानम् ।

(3) उच्चारणस्थानज्ञानम् ।

(1) वैयाकरणसिद्धान्तकौमुद्याः स्वरवैदिकप्रकरणम् अंकाः 60

(2) पाणिनीय शिक्षा – व्याख्यात्मक अंकाः 20

(3) पाणिनीय शिक्षा– आलोचनात्मक अंकाः 20

नव्यव्याकरणम्

पंचमं प्रश्नपत्रम् पूर्णांकाः 100

पाठ्यक्रमपरिणामाः

(1) संधिज्ञानम्। (2) संधिरहस्यम्। (3) व्याख्यापद्धतिज्ञानम्।

(1) पौढमनोरमा (शब्दरत्नसहिता पंचसन्ध्यन्तः) अंकाः 90

(2) पौढमनोरमायाः परिचयः अंकाः 10

नव्यव्याकरणम

षष्ठ प्रश्नपत्रम् पूर्णांकाः 100

पाठ्यक्रमपरिणामाः

(1 संवादात्मकशैलीज्ञानम्। (2 प्रत्याहाराणां गूढार्थज्ञानम्।

(1) पतंजलिमहाभाष्यम्– आदितः तृतीयाह्निकान्तम् अंकाः 85

(2) त्रिमुनिपरिचयः पाणिनि–कात्यायन–पतंजलिः अंकाः15

(2) साहित्यम्

पाठ्यक्रमपरिणामाः

(1) महाकाव्यानां परिचयः। (2) महाकाव्यकाराणां परिचयः।

(3) काव्यतत्वानां परिचयः।

साहित्यम्

चतुर्थं प्रश्नपत्रम् पूर्णांकाः 100

(क) नैषधीयचरितम्– श्रीहर्षरचितम् 1–4 सर्गा

(1) व्याख्यात्मकं भागः अंकाः 30

(2) आलोचनात्मकं भागः अंकाः 20

(3) महाकाव्यानां परिचयः अंकः 10

(सर्ग कथा चरित्रचित्रणम् काव्यवैशिष्यट्यम् च)

(ख) शिशुपालवधम् 1–2 सर्गौ

(1) व्याख्यात्मकं भागः अंकाः 25

(2) आलोचनात्मकं भागः अंकाः 15

(सर्गकथा काव्यवैशिष्ट्यम् कविपरिचयः)

पाठ्यक्रमपरिणामा

(1) बाणभट्टस्य परिचयः। (2) गद्यसाहित्यस्य ज्ञानम्।

साहित्यम्

पंचमं प्रश्नपत्रम् पूर्णांकाः 100

(1) कादम्बरी– कथामुखभागं यावत्

– व्याख्यात्मकं भागः अंकाः 60

– आलोचनात्मकं भागः अंकाः 20

– गद्यसाहिस्यस्य परिचयः अंका 20

पाठ्यक्रमपरिणामाः

(1) दशरुपकानां ज्ञानम् (2) रीतिनां परिचयः।(3) नाट्यशास्त्रस्य उद्भवविषयकं ज्ञानम्।

साहित्यम्

षष्ठं प्रष्ठपत्रम् पूर्णांकाः 100

(क) दशरुपकम्– धनंजयविरचितम् 1–3 प्रकाशाः अंकाः70

(ग) साहित्यदर्पणः– विश्वनाथ विपचितम् 1–2 परिच्छेदौ अंकाः 30

(3) ज्योतिषम्

सिद्धान्तज्योतिषम्

चतुर्थप्रश्नपत्रम् पूर्णांकाः 100

(1) रेखागणितस्याध्याय– 5,6,11,12 नवीनरेखागणितात्

तत्तद्विषयकोदाहरणसहिताः अंकाः 50

(2) गोलीयरेखागणितम् अंकाः 30

(3) गोलपरिभाषा अंकाः20

सिद्धान्तज्योतिषम्

पंचमप्रश्नपत्रम् पूर्णांकाः 100

(1) सरलत्रिकोणमिति परिशिष्ट सहिता म.म. बापूशास्त्रिकृता अंकाः 70

(2) अर्वाचीनं ज्यौतिषम्– 1–8 अध्यायाः अंकाः 30

सिद्धान्तज्योतिषम्

षष्ठप्रश्नपत्रम् पूर्णांकाः 100

(1) त्रिकोणमितिः –म.म. बापूदेवशास्त्रिरचितः अंकाः 60

(2) नवीनसरलमितेः 1–4 अध्यायाः श्रीबलदेवमिश्र सम्पादिता अंकाः 40

फलितज्योतिषम्

चतुर्थप्रश्नपत्रम् पूर्णांकाः 100

(1) नीलकण्ठ्याः –प्रथमद्वितीयतन्त्रे सोदाहरणे अंकाः 50

(2) षट्पञ्चाशिका अंकाः 30

(3) गोलपरिभाषा अंकाः 20

फलितज्योतिषम्

पंचमप्रश्नपत्रम् पूर्णांकाः 100

(1) समरसारः अंकाः 50

(2) हस्तसंजीवनम् अंकाः 50

फलितज्योतिषम्

षष्ठप्रश्नपत्रम् पूर्णांकाः 100

(1) बृहज्जातकम् –भट्टोत्पलकृतटीकासहितम्

वैकल्पिक "ख" वर्ग

सप्तमं प्रश्नपत्रम्

(1) हिन्दी साहित्य शास्त्री प्रथम वर्ष

सप्तम प्रश्न पत्र अंक 100

कबीर (प्रारंभिक 50 सखियॉ)

जयसी –नागमती वियोग वर्णन

सूर–(प्रारंभिक 25 पद) भ्रमरगीत सार

तुलसी–रामचरित मानस अयोध्याकाण्ड से (प्रारंभिक 25 दोहे चौपाई छन्द सहित)

घनानंद–प्रारंभिक 25 छन्द द्रुत पाठ हेतु निम्नांकित 3 कवियो का अध्ययन किया जावेगा । विद्यापति ,रहीम,रसखान

सन्दर्भ ग्रन्थ –कबीर ,कान्ती कुमार जैन,संक्षिप्त पद्मावत ,श्याम सुन्दर दास ,घनानंद, विश्वनाथ प्रसाद

हिन्दी साहित्य

अष्टमं प्रश्नपत्रम् अंक 100

उपन्यास –गबन –प्रेमचन्द ,

कहानी– प्रेमचन्द –कफन ,जयशंकर प्रसाद अकाशदीप

यशपाल–परदा, फणीश्वरनाथ रेणु –ठेश ,

मोहन राकेश –मलवे का मालिक , भीष्म साहनी –चीफ की दावत ,राजेन्द्र यादव–बीरादरी बाहर रागय राघव –गदल ,

दुत पाठ के लिए निम्नांकित 3 कथाकारों का अध्ययन अपक्षित है जिनतमें से किन्ही 2 पर लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जा सकते हैं ।

1.उपन्द्रनाथ अश्क 2.बाल सौरी रेडी 3.शिवानी

राजनीति विज्ञान

सप्तम प्रश्न पत्र अंक 100

परिभाषा विषय क्षेत्र अध्ययन विधि एवं अन्य सामालिक शास्त्र से सम्बंध ।

राज्य की परिभाषा उत्पति एवं प्रकृति

सरकार की परिभाषा प्राचीन एवं आर्वाचीन

संविधान की परिभाषा तथा प्रकार लीखित नमनीय

तथा अनमनीय निर्मिक एवं विकसित एक अच्छे संविधान के रक्षण ।

सर्वोच सता के लक्षण एवं प्रकार कानून तथा दण्ड स्वतंत्रता समानता

का अधिकार ,राज्य के लक्ष्य तथा ध्येय के सिद्धान्त व्यक्तिवाद ,समाजवाद, साम्यवाद,अराजकतावाद,लोक कल्याण कारी राज्य

सन्दर्भ सहायक ग्रन्थ :–राजनीतिशास्त्र के सिद्धान्त –डॉ.पी.

पाण्डे एवं बघेल

राजनीति के मूल तत्व –जे.पी.सूद

राजनीति के सिद्धान्त –ओमनागपाल

राजनीति विचार धाराएँ– ओम नागपाल

राजनीतिशास्त्र

अष्टम प्रश्नपत्र अंक100

आधुनिक प्रमुख प्रणालियों की रूपरेखा –इंग्लैण्ड,सयुक्त राज्य अमेरिका ,रूसीसमाजवादी गणतंत्र तथा स्वीटजरलैण्ड सहायक ग्रन्थ :–प्रमुख शासन प्रणालियॉ–पुखराज जैन आधुनिक प्रमुख शासन प्रणालियॉ –ए.सी.जैन

...

इतिहास

सप्तम प्रश्नपत्रम् पूर्णांकः 100

प्राचीन भारत का इतिहास– आदिकाल से 1205 ई. तक

प्राचीन भारत इतिहास के स्रोत, सिन्धुघाटी सभ्यता, वैदिक सभ्यता, पूर्वकालीन एवं उत्तरकालीन, बौद्ध धर्म एवंजैन धर्म, महाजनपद काल, षोडश जनपद एवं मगध का विकास, विदेशी आकमण, इरानी एवं यूनानी मौर्यवंश, कुषाणवंश, गुप्तवंश,हर्षवर्धन राजपूतों का उदय, गुरजर ,प्रतिहार, कल्चुरी ,चन्देल, परमार, चालुक्य, पल्लव, गहडवाल, पाल

मुस्लिम आकमण– अरब आकमण,महमूद गजनवी एवं गोरी

पुस्तकें– प्राचीन भारत का इतिहास– सत्यनारायण दुबे,त्रिनेत्र पाण्डे,राजबली पाण्डे

अष्टमप्रश्नपत्र अंकाः 100

मध्यकालीन भारत का इतिहास 1206 ई0 से 1707 ई0 तक

दिल्ली सल्तनत– गुलाम शासक,खिलजी वंश तुगलक वंश, सैयद वंश एवं लोदी वंश, सल्तनत काल में समाज एवं याासन व्यवस्था, मुगल वंश, बाबर, भारतीय आकमण एवं साम्राज्य की स्थापना, हूमायूँ एवं शेरशाह, अकबर, जहाँगीर, शाहजहाँ, औरंगजेब, शिवाजी मुगल साम्राज्य का पतन, मुगलकालीन समाज संस्कृति एवं शासन व्यवस्था

पुस्तकें– मध्यकालीन भारत– डॉ आशीर्वादी लाल श्रीवास्तव एल. पी. शर्मा, मध्यकालीन भारत का इतिहास– डॉ इश्वरीप्रसाद

समाजशास्त्र शास्त्री प्रथम वर्ष

सप्तम प्रश्नपत्रअंक 100.

समाजशास्त्र की परिभाषा–प्रकृति, विषय क्षेत्र

समाजशास्त्र का अन्य सामाजिक विज्ञानों के साथ सम्बंध (अर्थशास्त्र, इतिहास, भूगोल)

समाज, समुदाय, समिति, संस्था, जनरीतियाँ, प्रथा, रूढ़ियाँ, सामाजिक संरचना का अर्थ एवं विशेषताएँ, सामाजिक समूह की परिभाषा, लक्षण, प्रकार, प्राथमिक एवं द्वितीयक समूह सामाजिक नियन्त्रण–

अर्थ परिभाषा, सामाजिक नियंत्रण के विभिन्न प्रकार भारत में सामाजिक नियंत्रण का महत्व

पुस्तकें–

समाजशास्त्र के मूलतत्व–एम.एल.गुप्ता एवंडी.डी.शर्मा

समाजशास्त्र –जी. के. अग्रवाल

अष्टम प्रश्नपत्र अंक 100

हिन्दू सामाजिक संगठन के आधार –आश्रम, वर्ण, संस्कार, पुरूषार्थ व्यवस्था, कर्म की अवधारणा ।

जाति प्रथा–

अर्थ, परिभाषा, जाति के उत्पत्ति के सिद्धान्त, जाति प्रथा को प्रभावित करने वाले कारक, भारत में जाति का भविष्य ।

हिन्दू परिवार–

हिन्दू परिवार एवं उसकी विशेषताएँ एवं परिवार के परिवर्ति प्रतिमान।

हिन्दू विवाह–

अर्थ, परिभाषा, उद्देश्य, परम्परागत प्रकार, परिवर्तितप्रतिमान ।

मुस्लिम विवाह एवं परिवारी–

परिभाषा, मुस्लिमों में विवाह की प्रथा, मेहर की प्रथा,तलाक ।

इसाई विवाह एवं परिवार–

इसाई परिवार विवाह की प्रथा विभिन्न रीति रीवाज,

विभिन्न सामाजिक समस्याएँ–

बाल विवाह, विधवा पुनर्विवाह, दहेजप्रथा, हिन्दूसमाज में स्त्रियों की स्थिति

पुस्तकें– भारतीय समाज एवं संस्कृति – गुप्ता एवं शर्मा
भारतीय समाज एवं संस्कार–आर.एन. मुखर्जी
भारतीय सामाजिक संस्थायें–जी.के. अग्रवाल
भारतीय समाज एवं संस्कृति – डॉ. टोंग्या

भूगोल

सप्तम प्रश्नपत्र अंक 100

भौतिक भूगोल–

पृथ्वी की आंतरिक संरचना–

भूगर्भ के विषय में जानकारी देने वाले साधन– प्राकृतिक,अप्राकृतिक साधन,पृथ्वी की उत्पत्ति संबंधी सिद्धान्तों के साक्ष्य,पृथ्वी की विभिन्न परतों की मांटाई तथा गहराई –जफीज का मत,होम्स का मत ,वाण्डर ग्राण्ट का मत तथा अभिनव मत। चट्टानें– सामान्य परिचय ,चट्टानों का वर्गीकरण, विशषताएँ अनाच्छादनके माध्यम– पवन,हिम,बहता हुआ जल ,इनक कार्य एवं उनसे निर्मित अपरदनात्मक स्थलाकृतियॉ। सागरिय अपरदन,अपक्षय–परिभाषा, अपक्षय को नियंत्रित करने वाले कारक , अपक्षय के प्रकार ,भौतिक या यांत्रिक अपक्षय तथा रासायनिक अपक्षय । भूकम्प एवं भूकम्प विज्ञान– भूकम्प के कारण, भूकम्प का वर्गीकरण,भूकम्प का विश्ववितरण।

प्रायोगिक भूगोल–

मापक,मानचित्रप्रक्षेप,बहुसंकीय,मार्केटर,मालवीड

अष्टम प्रश्नपत्र पूर्णांक 100

आर्थिक एवं मानव भूगोल–

विश्व के प्रमुख आर्थिक स्रोत– चावल,गेहूँ चाय, कहवा, गन्ना, कपास, कोयला, लोहा, पंटोलियम, स्वर्ण, आणविक शक्ति के खनिज। सूती रेशमी एवं वस्त्र उद्योग, लौह इस्पात, पोत निर्माण, वायुयान निर्माण, जनसंक्ष्या का वितरण, बस्तियों का वर्गीकरण एवं विकास

प्रायोगिक भूगोल – भारतीय धरातल पत्रकों का अध्ययन, मौसम मानचित्र का अध्ययन

अनुशंसित कंथ– भौतिक भूगोल– विश्वनाथ तिवारी

भैतिक भूगोल– सविन्द्र सिंह

मनव एवं आर्थिक भूगोल –एस डी कौशिक

मनव एवं आथिक भूगोल– चतुर्भूज मामोरिया

प्रयोगिक भूगोल– जी पी शर्मा

ध्यातव्य– एतादृशम् अन्यआधुनिक'ख'वर्गीयविषयानां निर्धारणं वश्वविद्यालयेन निर्धारितं पाठ्यक्रमानुसारं भविष्यति।

अनिवार्यम् पत्रम् पर्यावरणम् (75+25) अंकाः 100